# लघु उद्योग

## भारत की प्रगति के आधारस्तम्भ

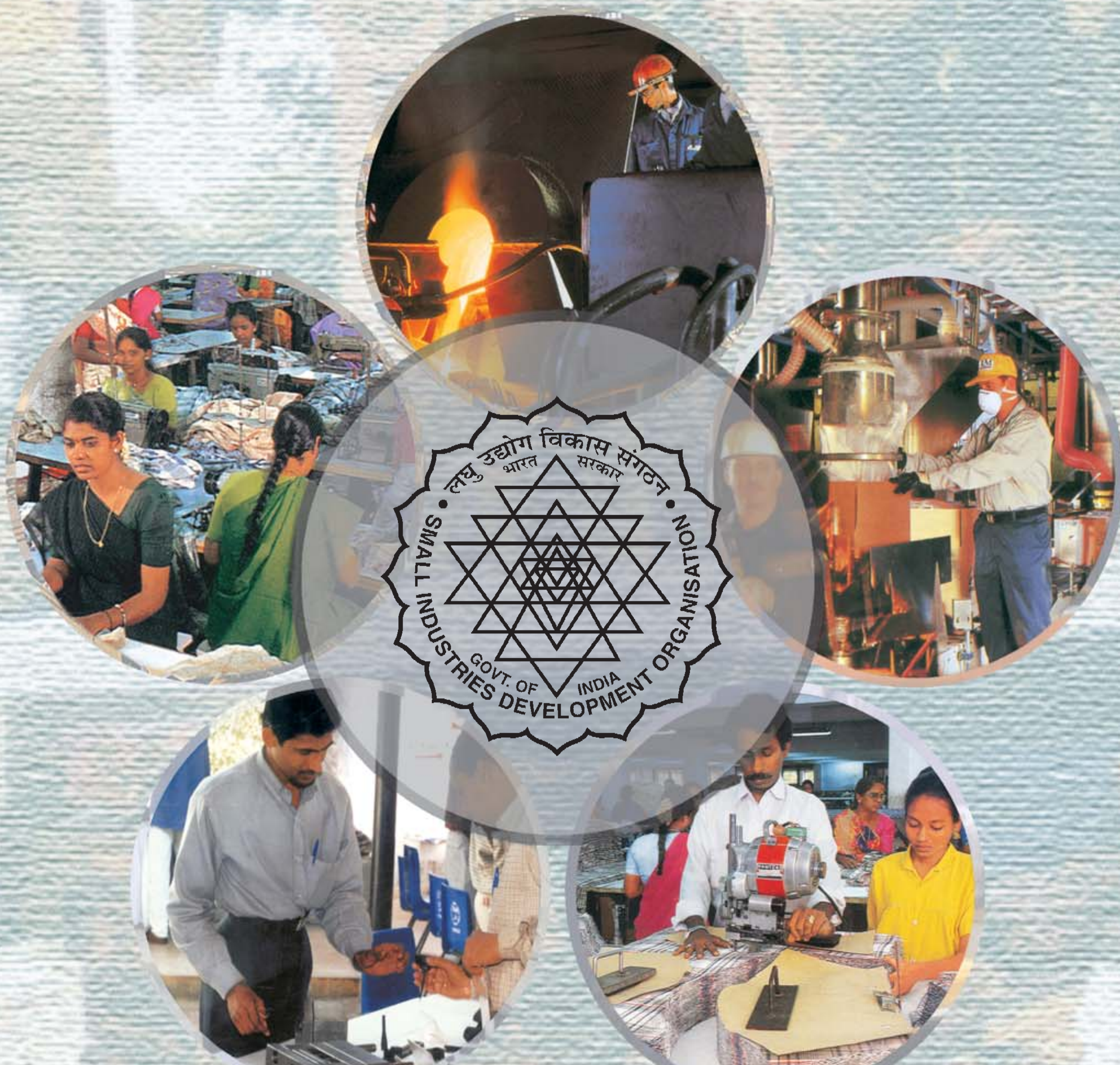


**विकास आयुक्त ( लघु उद्योग )**

लघु उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011

*प्रथम संस्करण - अगस्त 2003*

*विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित*
*मुद्रक: धृती प्रिंटर्स, 204-205, फेस-1, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020*

सत्यमेव जयते

**डा. सी. पी. ठाकुर**
**DR. C.P. THAKUR**

मंत्री
लघु उद्योग एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास
भारत सरकार, नई दिल्ली-110011
MINISTER
SMALL SCALE INDUSTRIES AND
DEVELOPMENT OF NORTH-EASTERN REGION
GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI - 110011

# प्राक्कथन

लघु उद्योग क्षेत्र देश की आर्थिक संरचना का एक अहम और गुंजायमान घटक है। यह क्षेत्र राष्ट्र की आर्थिक प्रगति और विकास का बीज मंत्र है जोकि इसके औद्योगिक उत्पादन, रोजगार सृजन और निर्यात में योगदान से विदित है। कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में लघु उद्योगों की एक बड़ी भूमिका है।

वर्तमान में, देश में 35 लाख से भी अधिक लघु उद्योग इकाइयां हैं। 8000 से अधिक विभिन्न मदों का विनिर्माण यह क्षेत्र करता है। लगभग 34 प्रतिशत राष्ट्रीय निर्यात में इसकी भागीदारी है। वस्तुत: यह क्षेत्र 199 लाख व्यक्तियों के लिए सीधे रोजगार की व्यवस्था करता है। यद्यपि हाल में लघु उद्योग क्षेत्र के निवेश में पूंजी की मात्रा बढ़ी है, फिर भी यह बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करने में भी जुटा हुआ है। संरचनात्मक परिवर्तन भी लघु उद्योगों में हो रहा है, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य संसाधन और पादप तथा औषध जैसे क्षेत्र इत्यादि। इन सब के द्वारा लघु उद्योगों का विकास अब नए आयाम प्राप्त कर रहा है। क्लस्टर (समूह) से जुड़ी पहल इस श्रृंखला में अगली कड़ी है।

लघु उद्योग के लिए अलग मंत्रालय स्थापित करने और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा ''लघु उद्योगों और अति लघु उद्योगों के लिए व्यापक नीतिगत पैकेज'' की घोषणा स्वतंत्र भारत में लघु उद्योग क्षेत्र के विकास के इतिहास में एक युगांतरकारी घटना है। लघु उद्योग क्षेत्र की ओर से भी इसकी व्यापक और सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई है। लघु उद्योग मंत्रालय इसके सातत्य को कायम रखने और प्रगति के अग्रदूत को पहले से जारी नीतियों और कार्यक्रमों को स्वीकार्य रखते हुए उन्हें संपोषित करने के लिए दृढ़ संकल्प है और यह प्रकाशन उस दिशा में एक पहल है।

हमारा विश्वास है कि भारत में लघु उद्योग क्षेत्र से संबंधित चाहे वे भावी उद्यमी हों या स्थापित उद्यमी हों, बैंकर, संस्थाएं, सरकारी एजेंसियां, वाणिज्यिक एवं उद्योग चैम्बर हों, व्यवसाय और उद्योग क्षेत्र अथवा भारत की सामान्य जनता हो, जो लघु उद्योगों के बारे में हिन्दी में जानना चाहते हों, उनके लिए यह प्रकाशन बहुत उपयोगी होगा, ऐसी मैं आशा करता हूं।

इस प्रकाशन को साकार रूप देने मैं श्री एस. के. टुटेजा, सचिव, लघु उद्योग तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और श्री सुरेश चन्द्र, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (लघु उद्योग) की सक्रिय अध्यक्षता और मार्गदर्शन के लिए अपना आभार प्रकट करता हूं।

मैं, पुस्तक की संकल्पना के लिए डॉ. सी.एस. प्रसाद, अपर विकास आयुक्त एवं आर्थिक सलाहाकार और उनकी टीम जिसमें श्री एम.पी. सिंह, निदेशक एवं श्री यशवीर सिंह, उपनिदेशक के साथ-साथ पुस्तक को अद्यतन और संपादित एवं प्रस्तुति के लिए श्री पंकज जैन, निदेशक, श्री हरीश आनन्द, उपनिदेशक और श्री सी.एम. मधरा, सहायक संपादक के अथक प्रयासों और परिश्रम के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूं।

मुझे विश्वास है कि यह दस्तावेज आज के लघु उद्योग क्षेत्र और उनके सुनहरे भविष्य के लिए एक झरोखे का काम करेगा। मैं लघु उद्योग क्षेत्र के लिए, हमारे द्वारा संकल्पित भविष्य की ऊँचाइयों की ''**सफल उड़ान**'' की सफलता की शुभकामनाएं प्रकट करता हूं।

*नई दिल्ली*
*14 अगस्त, 2003*

**(डॉ. सी. पी. ठाकुर)**

सत्यमेव जयते

**तपन सिकदर**

**TAPAN SIKDAR**

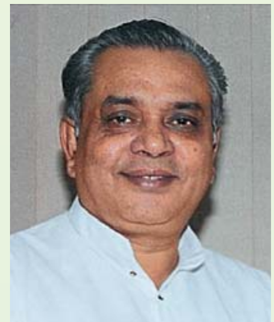


राज्य मंत्री
लघु उद्योग एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास
भारत सरकार, नई दिल्ली–110011
MINISTER OF STATE
SMALL SCALE INDUSTRIES AND
DEVELOPMENT OF NORTH-EASTERN REGION
GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI-110011


# भूमिका

लघु उद्योग क्षेत्र के विषय में हिंदी में एक समेकित एवं समग्र जानकारी प्रदान करने वाली पुस्तक ''लघु उद्योग – भारत की प्रगति के आधारस्तम्भ'' उद्यमियों के लिए एक मार्गदर्शिका की भूमिका निभायेगी।

प्रस्तुत पुस्तक में लघु उद्योग विकास संगठन (सीडो) और उसकी सहायक एजेंसियों के रूप में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, टूल रूम्स आदि के स्वरूप और कार्य की विस्तार में जानकारियाँ दी गई हैं, जो प्रादेशिक उत्थान के लिए आवश्यक उपादान हैं।

आज सूचना को शक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे निचले स्तर तक विस्तारित करना उतना ही महत्वपूर्ण है। यह कार्य राजभाषा हिंदी में लघु उद्योगों की विरासत को प्रचारित करने एवं उनके विकास के योगदान में हो, तो वह कार्य अवश्य ही जन-जन तक पहुँच सकेगा, ऐसी मैं मंगल कामना करता हूँ।

लघु उद्योग मंत्रालय के सभी कार्यक्रमों और नीतियों की अद्यतन सूचनाएँ प्रदान करने में यह प्रकाशन एक सफल सूत्रधार का निर्वाह करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। इस कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों को सुंदर और सार्थक प्रकाशन के लिए विशेष धन्यवाद देता हूँ।

*नई दिल्ली*
*14 अगस्त, 2003*

तपन सिकदर

**(तपन सिकदर)**

सत्यमेव जयते


**एस. के. टुटेजा**
सचिव
**S.K. TUTEJA**
**Secretary**

भारत सरकार
लघु उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली–110011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SMALL SCALE INDUSTRIES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI-110011


# प्रस्तावना

लघु उद्योग तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग मंत्रालय के अक्तूबर, 1999 में सृजित हो जाने के फलस्वरूप पिछले चार वर्षों से बड़ी संख्या में नीतिगत पहलें और कार्य निष्पादित हुए हैं। 30 अगस्त, 2000 का व्यापक नीतिगत पैकेज एक निर्णायक मोड़ था। उसके उपरान्त भी मंत्रालय का यह प्रयास रहा है कि वह प्रतिस्पर्धात्मक स्थितियों में लघु उद्योग क्षेत्र को ऋण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, विपणन, आधारभूत संरचनाएं और निर्यात क्षेत्र में बढ़ावा दे और स्वपोषित करे।

हमारे राष्ट्रीय निर्यात का एक तिहाई से अधिक भाग लघु उद्योग क्षेत्र से ही आता है, अत: हमारे मंत्रालय के लिए यह अत्यावश्यक है कि लघु उद्योगों की प्रतियोगी क्षमता को इतना बढ़ाया जाए कि वे बाज़ार में बढ़ती हुई प्रतियोगिता के सामने ठहर सके। इसके साथ लघु उद्योगों का भी दायित्व है कि वह भी गुणवत्ता और मानकों पर पूरा ध्यान दें ताकि उनकी क्षमता और उन्नति में मंत्रालय भी पूरा सहयोग दे सके।

केन्द्र स्तर पर सरकार ने सूचना का प्रसार करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से कई कारगर कदम उठाये, जिनमें लघु उद्योग मंत्रालय की वेबसाइट भी शामिल है। यह प्रकाशन भी उसी कड़ी में सूचना को समेकित करने का एक विनम्र प्रयास है। चूंकि हिन्दी में ऐसे प्रकाशनों का सर्वथा अभाव रहा है जिनमें विभिन्न मार्ग–निर्देशों, नीतियों, अनुदेशों, प्रोत्साहनों और अद्यतन आँकड़ों की प्रस्तुति हो – यह प्रकाशन उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह प्रकाशन अपनी विशेषताओं के कारण, लघु उद्योग क्षेत्र के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

*नई दिल्ली*
*14 अगस्त, 2003*

(एस. के. टुटेजा)

सत्यमेव जयते

**सुरेश चन्द्र**
अपर सचिव
एवम्
विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

**SURESH CHANDRA**
Additional Secretary
&
Development Commissioner (SSI)

भारत सरकार
लघु उद्योग मंत्रालय
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
'ए' विंग, सातवीं मंजिल, निर्माण भवन,
नई दिल्ली-110011

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SMALL SCALE INDUSTRIES
OFFICE OF THE
DEVELOPMENT COMMISSIONER (SSI)
'A' WING, 7TH FLOOR, NIRMAN BHAWAN,
NEW DELHI - 110011

# परिचय

''लघु उद्योग-भारत की प्रगति के आधारस्तम्भ'' लघु उद्योग विकास संगठन (सीडो) द्वारा निकाले गए प्रकाशनों की श्रृंखला में हिंदी में एक नवीनतम प्रयास है और लघु उद्योग क्षेत्र के व्यापक प्रसार-प्रचार की दिशा में किए जा रहे प्रयत्नों में अगली कड़ी। इस क्षेत्र से संबंधित प्रकाशन हमारी प्राथमिकता रही है। 1976 से प्रारंभ होकर तब से निरंतर प्रकाशित होने वाली लघु उद्योग विकास संगठन की पत्रिका ''लघु उद्योग समाचार'' इसे भली-भाँति दर्शाती है। ''लघु उद्योग समाचार'' अब त्रैमासिक हिंदी और अँग्रेजी में एकसाथ निकलने वाला विशेष जर्नल बन गया है। इसके अतिरिक्त हम लघु उद्योग क्षेत्र की विभिन्न अवधारणाओं पर अन्य पुस्तकों का भी प्रकाशन करते रहे हैं।

2. अगस्त, 2002 में हमने लघु उद्योग क्षेत्र के लिए ''स्माल स्केल इंडस्ट्रीज इन इंडिया-एन इंजन ऑफ ग्रोथ'' नाम से अँग्रेजी में एक मार्गदर्शक पुस्तक का सफल प्रकाशन किया था। इस किताब की माँग बराबर बनी हुई है। साथ-साथ इसके समतुल्य प्रकाशन की हिंदी में भी माँग आ रही है। अत: ''लघु उद्योग - भारत की प्रगति के आधारस्तम्भ'' पुस्तक को हिंदी में नए परिप्रेक्ष्य और सम्पूर्ण सूचनाओं के साथ रचा गया है।

3. हमारे देश के लघु उद्यमियों ने प्रतिस्पर्द्धा की हर चुनौती का डट कर सामना किया है। शायद इसीलिए इस क्षेत्र का प्रदर्शन बड़े उद्योग से बेहतर रहा है। इस प्रकाशन के माध्यम से हम वर्तमान एवं संभाव्य उद्यमियों को सशक्त करने का उद्देश्य रखते हैं जिससे वे सफलता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकें। इस प्रकाशन के अवसर पर मैं श्री पंकज जैन, निदेशक के नेतृत्व में कार्यरत टीम श्री हरीश आनन्द, उपनिदेशक और श्री सी.एम. मधरा, सहायक संपादक को धन्यवाद देता हूँ।

*नई दिल्ली*
*14 अगस्त, 2003*

**(सुरेश चन्द्र)**

# विषय-सूची

# विषय-सूची


*पृष्ठ संख्या*

**I लघु उद्योग क्षेत्र: परिदृश्य और स्थिति**

- सहस्राब्दि के मिशन को साकार करने के लिए लघु उद्योग नीति 1
- सहस्राब्दि के लिए लक्ष्य 2
- लघु उद्योगों और अति लघु उद्योगों के लिए व्यापक नीतिगत पैकेज 5
- औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग क्षेत्र की रूपरेखा 12
- भारत में लघु उद्योग क्षेत्र का कार्य-निष्पादन 13
- लघु उद्योग की परिभाषा 14
- मान्यताप्राप्त/अमान्यताप्राप्त लघु उद्योग सेवा एवं व्यवसाय (उद्योग सम्बन्धित) उद्यमों की सूची 20
- पंजीकरण प्रक्रिया 21
- लघु उद्यमों के विकास पर अध्ययन दल 23

**II लघु उद्योग क्षेत्र के लिए संगठन संरचना**

- लघु उद्योग मंत्रालय 27
- विकास आयुक्त (लघु उद्योग) 28
- लघु उद्योग बोर्ड 28
- लघु उद्योग सेवा संस्थान 28
- प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र 29
- क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र 30
- फील्ड टेस्टिंग स्टेशन 30
- औजार कक्ष और प्रशिक्षण केन्द्र 31
- प्रक्रिया एवं उत्पाद विकास केन्द्र 32
- केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण संस्थान 33
- प्रशिक्षण संस्थान 33
- सीडो सेवाएं 34
- अनुषंगीकरण-विक्रेता विकास कार्यक्रम/उप-संविदा केन्द्र 34
- मौजूदा और नई उद्यमिता विकास संस्थाओं की आधारभूत प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता 37
- विश्व व्यापार संगठन 40
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार 40
- लघु क्षेत्र में जैव-प्रौद्योगिकी 41
- नागरिक अधिकार-पत्र 42
- योजना आयोग द्वारा लघु उद्योग क्षेत्र के सम्बन्ध में 10वीं योजना के लिए गठित कार्यकारी दल 44

**III भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)** 47

**IV राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड** 57

## V सीडो योजनाएँ


- लघु उद्योगों के लिए ऋण गारण्टी निधि योजना 65
- लघु उद्योगों की प्रौद्योगिकी के उन्नयनीकरण के लिए क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी योजना 73
- भलीभांति स्थापित एवं सुधारी हुई प्रौद्योगिकी 77
- लघु उद्योग निर्यातकों के लिए बाजार विकास सहायता योजना 85
- लघु उद्योगों के लिए एकीकृत ढांचागत विकास योजना (आई आई डी स्कीम) 90
- आधारभूत प्रौद्योगिकी उन्नयन एवं प्रबंध कार्यक्रम–अपटेक 92
- यूनिडो से सहायता–प्राप्त कार्यक्रम 95
- आई एस ओ–9000/आई एस ओ–14001 प्रमाणन हेतु प्रोत्साहन के माध्यम से लघु उद्योग क्षेत्र में गुणवत्ता उन्नयन 100
- राष्ट्रीय पुरस्कार 102
- उद्योग संघों द्वारा परीक्षण केन्द्रों की स्थापना तथा राज्य सरकारों और उनकी स्वायत्तशासी निकायों के गुणवत्ता अंकन केन्द्रों के आधुनिकीकरण/विस्तार हेतु योजना–2001 103
- मिनी टूल रूम तथा प्रशिक्षण केन्द्र 107
- प्रधानमंत्री की रोजगार योजना 112

**VI राज्य सरकार की नीतियां तथा सहायक संरचना**

- उद्योग निदेशालय 119
- जिला उद्योग केन्द्र 119
- राज्य वित्तीय निगम 119
- राज्य लघु उद्योग विकास निगम 120
- लघु उद्योगों के लिए राज्य सरकार की प्ररूपी संरचना नीतियां तथा प्रोत्साहन 120

**VII केन्द्रीय सरकार का नीतिगत समर्थन**

- आरक्षण की नीति 147
- डब्ल्यू. टी. ओ. प्रणाली के अन्तर्गत उभरता आर्थिक परिदृश्य 148
- अनारक्षित वस्तुओं की सूची 149
- विपणन के लिए आरक्षण 153
- सामान्य लघु उद्योग उत्पाद शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत राजकोषीय रियायतें 155
- लघु उद्योग क्षेत्र को क्रेडिट सहायता 163
- निर्यात संवर्धन 169
- नीम व सुगन्धित पौधों पर आधारित उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम 171
- लघु उद्योग इकाइयों की सांख्यिकी का संकलन 174
- लघु उद्योगों की तीसरी गणना 178
- महिला उद्यमियों के लिए पहल 178
- संवृद्धि केन्द्र योजना 179
- पूर्वोत्तर क्षेत्र/पहाड़ी क्षेत्रों के लिए परिवहन आर्थिक सहायता स्कीम 179
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पूँजीगत निवेश आर्थिक सहायता 179
- जिला उद्योग केन्द्रों का कम्प्यूटरीकरण 180

**VIII प्रकाशन और सूचना का प्रसार** 183

- विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में सूचना एवं सुविधा केन्द्र 184
- लघु उद्यमों की सूचना एवं संसाधन केन्द्र नेटवर्क (सीनेट) 184

**IX लघु उद्योग क्षेत्र में रूग्णता** 189

- रूग्णता के कारण 191
- रूग्ण लघु उद्योग इकाई की परिभाषा 191
- रूग्ण लघु उद्योग इकाइयों के पुनर्वास और रूग्णता की पहचान के उपाय 191

**X केन्द्रीय बजट तथा लघु उद्योग क्षेत्र**

- बजट भाषण 2001–02 से लिए गए उद्धरण 197
- बजट भाषण 2002–03 से लिए गए उद्धरण 197
- वर्ष 2002–2003 के लिए केन्द्रीय बजट: लघु उद्योग क्षेत्र से सम्बन्धित मुद्दे 198
- वर्ष 2003–2004 के लिए केन्द्रीय बजट: लघु उद्योग क्षेत्र से सम्बन्धित मुद्दे 198

**XI लघु क्षेत्र: सांख्यिकीय सूचना**

- लघु उद्योग क्षेत्र का कार्य–निष्पादन 205
- राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के उद्योग निदेशालयों द्वारा स्थायी पंजीकृत लघु उद्योगों की अखिल भारतीय संचयी संख्या विवरण 207
- लघु उद्योग तथा औद्योगिक क्षेत्र की तुलनात्मक वृद्धि 208
- लघु उद्योग इकाइयों का वर्गीकरण 209
- कुल निर्यात में लघु उद्योग का भाग 211
- वर्ष 1999–2000, 2000–01 और 2001–02 के गत तीन वर्षों के दौरान देश में कुल निर्यात में भाग 212
- वर्ष 1999–2000, 2000–01 और 2001–02 के गत तीन वर्षों के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र से उत्पाद समूहवार निर्यात का विवरण 213
- लघु उद्योग निर्यात में वृद्धि 214
- 1998–99 से 2001–02 के दौरान निर्यात प्रदर्शन एवं देश के निर्यात में लघु उद्योग की भागीदारी का तुलनात्मक विवरण 215

## XII *परिशिष्ट*


- लघु उद्योग विकास संगठन के फील्ड कार्यालयों के पते 219
- लघु उद्योग सेवा संस्थानों के पते 219
- क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्रों के पते 227
- फील्ड टेस्टिंग स्टेशन के पते 228
- टूल रूम एवं ट्रेनिंग सेन्टर के पते 229
- पी.पी.डी.सी. के पते 231
- केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण संस्थानों के पते 232
- प्रशिक्षण संस्थानों के पते 233
- आवेदन–पत्र तथा मांग–पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों की जांच सूची 234
- लघु उद्योग क्षेत्र में रूग्णता 235
- मार्च 2002 के अन्त में रूग्ण लघु उद्योग इकाइयों की राज्यवार व्यवहार्यता स्थिति 236